उत्तरांचल शासन वित्त अनुभाग'-3 संख्या₁₂ ५३ / xxvii(3) / 2004 देहरादूनः दिनांक 4 गुरुष (2004

शुद्धि पत्र

शासनादेश संख्या 01/ वित्व विभाग/टी० ए० सी०/2003 विभाव 15-10-2003 के खण्ड (ख) के बिन्दू व को देवी आधदा प्रकरणों के संबंध में

निम्नवत् संशोधन किया जाता है:

दर विश्लंषण में नियमानुसार नानतम आवशासी अभियन्ता स्तर के अधिकारी के हस्ताक्षर होने आवश्यक है जिल निवामों में सक्षम अभिकारी उपलब्ध न हों, तो निकटतम लोठनिठनिठ क अधिशासी अभियन्ता के हस्ताहार कराकर आगणन प्रेषित कर सकते हैं ।

शासनादेश के अन्य प्राविधान व निर्देश पूर्ववत रहेगें, उक्त शासनादेश

इस सीमा तक संशोधित समझा आय ।

इन्डु कुमार पाण्डे प्रमुख समिव,विला

संख्या 1233/ xxvii(3) आ0/ 2004 प्रदेशनामा

प्रतिलिपिः निम्न्लिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. समस्त प्रमुख सविव/ शविव उत्तरांवल शासन ।

मण्डलायुक्त कुमार्यू / गढवाल गण्डल ।

3 महालेखाकार, उत्तरांचल, ओवराम भनन कारादून ।

- 4 समस्त जिलाधिकारी, रात्ताराचल को इस आश्रम के साथ प्रेषित कि अपने स्तर से सभी निर्माण इ जड़्या को उक्त शास-धदेश की प्रति निर्मत करने का केट करें।
- 5. सगरत विभागाध्यक्ष, उतारांचल ।

साजा से

्री की भिन्न) आगर सविवानिता ।